वर्ष :-1

अंक:-286

27.11.2025

गुरुवार

अपना शहर अपना खबर

अपना नालन्दा

पेज 1 नालंदा का नंबर वन डिजिटल अखबार

www.apnanalanda.com

शिवनंदन नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान, बुलडोजर कार्रवाई से कई बेघर

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। पटना हाई कोर्ट के निर्देश पर बुधवार को नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र स्थित शिवनंदन नगर गांव में कड़ी सुरक्षा के बीच अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। प्रशासन ने गांव में बने अतिक्रांत मकानों पर बुलडोजर चलाकर बड़े पैमाने पर निर्माण ध्वस्त किए। इससे इलाके में अफरातफरी और तनाव का माहौल देखा गया।

जानकारी के अनुसार, शिवनंदन नगर में अतिक्रमण को लेकर स्थानीय प्रशासन द्वारा पूर्व में कई मकान मालिकों को नोटिस जारी किया गया था। इसी प्रक्रिया के तहत आज डीएसपी, एसएचओ, सीओ, डीसीएलआर सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी में कार्रवाई की गई। सदर डीएसपी संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए करीब दो सौ से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि वे कई दशकों से यहां रह रहे थे, लेकिन अचानक कार्रवाई से उनका आशियाना उजड़ गया और कड़कड़ाती ठंड में वे खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हो गए। उधर रहुई प्रखंड के सीओ मनोज कुमार ने स्पष्ट किया कि कार्रवाई से पूर्व सभी मकान मालिकों को नोटिस दिया गया था और कुछ प्रभावित परिवारों को सरकारी प्रावधानों के तहत जमीन भी उपलब्ध कराई गई है।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में भी हाई कोर्ट के निर्देश पर इसी क्षेत्र में 14 मकानों पर बुलडोजर कार्रवाई हुई थी, जिसके दौरान हंगामा हुआ था। इस बार किसी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा रखा। अभियान के दौरान कई मकान ध्वस्त किए गए और अतिक्रमण को हटाया गया।

पराली जलाने पर नालंदा डीएम ने सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बुधवार को नालंदा के जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार की अध्यक्षता में जिले में बढ़ रहे पराली जलाने की घटनाओं की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने पराली जलाने की समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए जिला कृषि पदाधिकारी को दोषी किसानों के विरुद्ध विभागीय प्रावधानों के तहत त्वरित दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट कहा कि पराली जलाने के मामलों में लापरवाही बरतने वाले कृषि समन्वयकों, किसान सलाहकारों या संबंधित पदाधिकारियों पर बर्खास्तगी या निलंबन की कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि पराली जलाने के दुष्प्रभावों के बारे में किसानों के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है तथा । ऐसे किसानों का पंजीकरण रद्द किया गया है।

पंजीकरण रद्द होने पर किसान तीन वर्षों तक कृषि विभाग की योजनाओं के लाभ से वंचित हो जाते हैं।बैठक में बताया गया कि पराली जलाने से मिट्टी के पोषक तत्व नष्ट होते हैं, कार्बनिक पदार्थों की कमी होती है, लाभकारी जीवाणु नष्ट हो जाते हैं और वायु प्रदूषण बढ़ने से लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं पराली को मिट्टी में मिलाने से मिट्टी को नाइट्रोजन, पोटाश, सल्फर और ऑर्गेनिक कार्बन जैसे तत्वों की प्राप्ति होती है।डीएम ने कम्बाइन हार्वेस्टर संचालन पर भी दिशा-निर्देश जारी किए, जिसमें अनुमति प्राप्त करने, शपथ पत्र लेने और संचालकों को जागरूक करने पर जोर दिया गया। साथ ही धावा दल गठित कर पराली जलाने वालों पर सीआरपीसी की धारा 133 के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उप विकास आयुक्त एवं विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे

सिलाव में नल-जल योजना ठप, नगरवासी पेयजल संकट से परेशान

राजेश कुमार गौतम

सिलाव (अपना नालंदा)। सिलाव नगर पंचायत क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से शुरू की गई नल-जल योजना नगरवासियों के लिए राहत देने के बजाय गंभीर परेशानी का कारण बनती जा रही है। स्थिति यह है कि योजना का संचालन लगातार बाधित रहने से लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। कभी मोटर खराब होने की समस्या, तो कभी टंकी से पानी आपूर्ति बंद होने के कारण क्षेत्र में पेयजल संकट गहराता जा रहा है।स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार टंकी से पानी छोड़ा भी जाता है, लेकिन महज पांच मिनट के भीतर ही सप्लाई बंद कर दी जाती है। जर्जर पाइपलाइन और लीकेज की समस्या के चलते भारी मात्रा में पानी बह जाता है, जबकि घरों तक पर्याप्त पानी पहुंच नहीं पाता। लोगों का आरोप है कि कई मोहल्लों में 8 से 10 दिनों तक पानी की आपूर्ति नहीं होती, जिससे नाराजगी और बढ़ गई है।

नगरवासियों का कहना है कि पूरे सिस्टम में जिम्मेदारी तय नहीं है। न फील्ड वर्कर नजर आते हैं, न ही ऑपरेटरों की नियमित तैनाती सुनिश्चित है। शिकायतों पर विभागीय स्तर सेकेवल आश्वासन मिलता है, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं होती। एचडी विभाग के एक

अधिकारी ने स्वीकार किया कि पाइपलाइन की मरम्मत कई बार निजी खर्च पर कराई जाती है और लगभग 50 प्रतिशत पानी लीकेज में बर्बाद हो रहा है।लोगों ने सवाल उठाया कि सरकार की महत्वाकांक्षी नल-जल योजना जमीनी स्तर पर प्रभावी क्यों नहीं हो पा रही है? कागजों में व्यवस्था दुरुस्त दिखाने की बजाय वास्तविक सुधार की जरूरत है। नगरवासियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से योजना की व्यापक समीक्षा, पाइपलाइन मरम्मत, नियमित मोटर संचालन और जिम्मेदार कर्मियों की तैनाती की मांग की है, ताकि पेयजल सुविधा सुचारू रूप से उपलब्ध हो सके।

स्मार्ट सिटी बिहारशरीफ में बढ़ा धूल प्रदूषण, लोगों का जीवन हुआ बेहाल

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा जिला मुख्यालय बिहारशरीफ को भले ही स्मार्ट सिटी का दर्जा प्राप्त है, लेकिन शहरवासियों को सुविधाओं के नाम पर निराशा ही हाथ लग रही है। स्मार्ट सिटी परियोजना के वर्षों बाद भी शहर में अव्यवस्थाओं का अंबार दिखाई देता है। बुधवार को नाला रोड सहित आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण अचानक बढ़ने से लोगों की परेशानियां और ज्यादा बढ़ गईं। हवा में घुले धूलकणों ने स्थिति को इस कदर खराब कर दिया कि दिन में ही वातावरण धुंधला नजर आने लगा और लोगों को सड़क पर चलना मुश्किल हो गया।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य, खोदी गई सड़कों, खुली मिट्टी और नियमित साफ-सफाई के अभाव ने पूरे क्षेत्र को धूल का ढेर बना दिया है। धूल की मोटी परत दुकानों, घरों और वाहनों पर जम गई, जिससे लोगों में आक्रोश भी देखा गया। कई लोगों ने बताया कि प्रशासन स्मार्ट सिटी के नाम पर केवल कागजों पर योजनाएं दिखा रहा है, जबकि जमीनी स्तर पर हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं।

होम्योपैथिक के सीनियर डॉक्टर विजय कुमार

सिंह ने बताया कि लगातार बढ़ते धूल प्रदूषण से एलर्जी, सांस संबंधी बीमारी, अस्थमा, आंखों में जलन और संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे अधिक प्रभाव देखा जा रहा है। कई लोगों ने मास्क पहनकर बाहर निकलना मजबूरी बताया। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रबंधन से मांग की है कि धूल नियंत्रण के लिए पानी छिड़काव, सड़क मरम्मत, नियमित सफाई और निर्माण सामग्री ढकने जैसे उपाय तुरंत किए जाएं, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके और स्मार्ट सिटी का वास्तविक लाभ मिल पाए।

SAI BODHIT PVT. LTD.
बिहारशरीफ़ की नई पहचान
SHRIEJAN HEIGHTS में अपना आशियाना।
SHRIEJAN HEIGHTS
कल्पना एक सुंदर-समृद्ध भारत की।
LIFESTYLE OF THE WORLD COMES TO BIHARSHARIF
चोरा बगीचा से केवल 2 मिनट की दुरी पर ....
APPROVED RERA APPROVED
"BOOKINGS ARE NOW OPEN !"
BOOK
3BHK PREMIUM FLAT
Project Registration Number
BRERAP19200101102525O432E00
₹ 4251/*SQ.FT.
60% Free Area
COMFORT, LUXURY WELLNESS
Amenities
Swimming Pool
Vastu Compliant Design
Kids' Play Area
Volleyball / Badminton Court
Cricket net pitch
Landscape & Roof Top Garden
Temple in Premises
Highly Secured Society (24x7 security & cctv surveillance)
100% Power Backup
Ample Parking Space & Visitor Car Parking Facility
EV Reserved Car Parking
Site/Office -
सृजन कोल्ड स्टोरेज,
नालंदा टीचर ट्रेनिंग कॉलेज के सामने,
राजगीर रोड, बिहारशरीफ (4-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग-82)
Contact Us -
1800 5728 177 (TOLL FREE NUMBER)
9031605004, 7280027960
60018 06049, 96615 74892
Contact us today to book your site visit!

अपना नालंदा
अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा

बीएसपी की राज्यस्तरीय बैठक में संगठन सशक्तीकरण पर आकाश आनंद का जोर

पटना (अपना नालंदा)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक बुधवार को पटना में आयोजित की गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक आकाश आनंद ने हिस्सा लिया। बैठक में राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के प्रदर्शन की समीक्षा करना, संगठनात्मक कमजोरियों को पहचानना और भविष्य की रणनीति तय करना था।आकाश आनंद ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार सहित पूरे देश में सामाजिक न्याय की लड़ाई को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जब लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक अधिकारों पर दबाव बढ़ रहा है, तब बहुजन समाज, दलित-पिछड़े, अल्पसंख्यक और वंचित वर्गों को संगठित होकर अपनी राजनीतिक भागीदारी को सशक्त करना होगा। उन्होंने बीएसपी को केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और कांशीराम की सोच और आंदोलन की निरंतरता बताया, जिसका लक्ष्य सत्ता नहीं बल्कि सामाजिक परिवर्तन है।बैठक को संबोधित करते हुए राज्यसभा सांसद रामजी गौतम ने कहा कि चुनाव परिणामों के बाद संगठन पुनर्गठन और सक्रियता के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने दावा किया कि मतदान से पूर्व महिलाओं के खातों में धनराशि भेजे जाने से चुनाव प्रभावित हुआ और इस पर चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बीएसपी किसी गठबंधन में शामिल नहीं होगी।प्रदेश प्रभारी अनिल कुमार ने संविधान दिवस पर आयोजित इस बैठक को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के संकल्प से जोड़ा और कहा कि संविधान विरोधी ताकतों का जवाब संगठनात्मक मजबूती से दिया जाएगा। बैठक में राज्य स्तरीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अभय कुमार सिंह ऑल इंडिया पीएनबी ऑफिसर्स संगठन के सहायक महासचिव निर्वाचित

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन की केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव सम्पन्न होने के बाद नए पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इस चुनाव में दिलीप शाह की टीम ने निर्णायक जीत दर्ज की, जिसके परिणामस्वरूप दिलीप शाह महासचिव निर्वाचित हुए। इसी क्रम में बिहार से अभय कुमार सिंह को केंद्रीय कार्यकारिणी में सहायक महासचिव पद के लिए चुना गया। उनके चयन की खबर मिलते ही बिहार के अधिकारी संगठन के सदस्यों में खुशी की लहर दौड़ गई।विजय के उपरांत पटना आगमन पर हवाई अड्डे पर संगठन के सदस्यों और सहयोगियों ने फूलमाला पहनाकर अभय कुमार सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया। सभी ने उनके नेतृत्व और कार्यशैली पर विश्वास जताते हुए भविष्य में संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद व्यक्त की। पटना इकाई के अध्यक्ष बलवंत कुमार ने कहा कि अभय कुमार सिंह का उदार व्यक्तित्व, सहयोगी रवैया और संगठन के प्रति उनकी निष्ठा इस जीत का प्रमुख कारण है। उन्होंने इसे बिहार के बैंक अधिकारियों के विश्वास और एकजुटता की जीत करार दिया।वहीं, अभय कुमार सिंह ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी लेकर आता है। उन्होंने संगठन के हित में पूरी निष्ठा से कार्य करने और साथियों के लिए हमेशा सहयोगात्मक भूमिका निभाने का आश्वासन दिया।चुनाव परिणामों के बाद पूरे संगठन में उत्साह का माहौल है और सदस्यों ने नए नेतृत्व से सकारात्मक बदलाव और मजबूत प्रतिनिधित्व की उम्मीद जताई है।

संविधान दिवस पर कांग्रेस ने संविधान रक्षा का संकल्प दोहराया: राजेश राम

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संविधान के प्रति निष्ठा और उसके संरक्षण का संकल्प लिया।प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि डॉ. आंबेडकर की दूरदर्शिता से निर्मित भारतीय संविधान ने देश को एकता, अखंडता, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व की मजबूत नींव प्रदान की है। उन्होंने कहा कि संविधान न केवल देश का मार्गदर्शक दस्तावेज है, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे की आत्मा भी है। वर्तमान परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर बढ़ते खतरे को देखते हुए जन-जागरूकता और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा अत्यंत आवश्यक हो गई है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस पार्टी हर हाल में संविधान की मर्यादा, अधिकारों और लोकतांत्रिक आदर्शों की सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध है।मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में कांग्रेस की जिला इकाइयों द्वारा संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें वरिष्ठ नागरिकों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं की सहभागिता रही। विभिन्न स्थानों पर संगोष्ठियों के माध्यम से संविधान संरक्षण और लोकतांत्रिक मूल्यों के महत्व को रेखांकित किया गया।कार्यक्रम में जमाल अहमद भल्लू, ब्रजेश प्रसाद मुनन, अनिल कुमार, असित नाथ तिवारी, शशांक शेखर, रंजीत कुमार, विशाल झा, मृणाल अनामय, रामाशंकर पांडेय, सुधीर शर्मा सहित कई नेता उपस्थित रहे।

प्रदेश राजद कार्यालय में विधायक राहुल शर्मा का हुआ सम्मानित स्वागत समारोह

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय स्थित प्रवक्ता कक्ष में जहानाबाद के नवनिर्वाचित विधायक राहुल शर्मा का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्हें पार्टी का प्रतीक चिन्ह युक्त गमछा, शाल और फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान वातावरण उत्साहपूर्ण रहा और पार्टी पदाधिकारियों ने विधायक को जीत की बधाई दी।

स्वागत संबोधन में प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि जहानाबाद की जनता ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के नेतृत्व और उनकी नीतियों पर विश्वास जताते हुए राहुल शर्मा को भारी समर्थन दिया है। यह जनादेश न केवल पार्टी के प्रति विश्वास का प्रतीक है, बल्कि तेजस्वी यादव के उस संकल्प को भी मजबूती देता है, जिसमें सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक न्याय की अवधारणा को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव हमेशा युवाओं को रोजगार, नौकरी और बिहार के सर्वांगीण

विकास को केंद्र में रखकर काम करते रहे हैं। ऐसे में राहुल शर्मा सदन में जहानाबाद के मुद्दों के साथ-साथ बिहार के विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और जनता की आकांक्षाओं को मजबूती से उठाएंगे। इसमौके पर राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश प्रवक्ता उपेंद्र चंद्रवंशी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विधायक राहुल शर्मा ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

नेहुसा में धूमधाम से मनाया गया श्रीराम-जानकी विवाह पंचमी महोत्सव

हरनौत (अपना नालंदा)। हरनौत प्रखंड क्षेत्र के नेहुसा सहित विभिन्न मंदिर परिसरों में बुधवार को श्रीराम-जानकी विवाह उत्सव धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। विवाह पंचमी के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की बड़ी भीड़ उमड़ पड़ी। नेहुसा स्थित करीब 402 वर्ष पुराने श्रीराम-जानकी मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा और पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया।महोत्सव के दौरान भव्य शोभायात्रा एवं श्रीराम बारात का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु बाराती के रूप में शामिल हुए। भगवान श्रीराम को पालकी पर विराजमान कर भक्तों ने नेहुसा और आसपास के गांवों में बारात का भ्रमण कराया। शाम होते ही मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन की गूंज सुनाई देने लगी। रात्रि में भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं के बीच पुरी-सब्जी और बूंदी का वितरण किया गया।मंदिर के पुजारी कथकरी बाबा और पंडितों ने बताया कि अगहन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी को भगवान श्रीराम और जनकनंदिनी सीता का विवाह हुआ था, तभी से इस तिथि को विवाह पंचमी के रूप में उत्सव मनाया जाता है। नेहुसा के अलावा बीच बाजार स्थित पुरानी ठाकुरबाड़ी, लंघौरा, पोआरी, खरूआरा, गोनावां और बराह ठाकुरबाड़ी में भी सीताराम विवाह का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में पंडित पप्पू पांडे, पंडित लक्की पांडे, चंदन पासवान, अमरजीत पासवान, देवशरण पंडित, चंदन सिंह, स्नेहलता कुमारी, रंजन कुमार, ई. संतोष प्रसाद, विजय, लक्ष्मण सहित कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

नालंदा कॉलेज में संविधान दिवस पर दो दिवसीय सेमिनार कार्यक्रम संपन्न

संजय कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। नालंदा कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग और एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित संविधान दिवस पर दो दिवसीय कार्यक्रम बुधवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अंतिम दिन "संविधान @ 75: जनहित और लोकतंत्र को मजबूत करने में मीडिया की भूमिका" विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा परिसर में सिंदूर पौधा रोपण से हुई। इसके बाद ऑडिटोरियम में वंदे मातरम् और प्रस्तावना पाठ के साथ औपचारिक उद्घाटन किया गया।

मुख्य वक्ता बीपीएससी सदस्य प्रो. अरुण कुमार भगत ने मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया ने कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाकर सकारात्मक दबाव बनाया है, जिससे भारतीय लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि मीडिया ने कैसे आम जनता की आवाज को सामने लाने का काम किया।दूसरे वक्ता नालंदा विश्वविद्यालय के डॉ. राजीव रंजन चतुर्वेदी ने संविधान में निहित स्वतंत्रता, समानता और न्याय जैसे मूल्यों को आत्मसात करने की अपील की। प्राचार्या प्रो. सुनीता सिन्हा ने कहा कि मीडिया एक वॉचडॉग की तरह शासन व्यवस्था की जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. बिनीत लाल ने संविधान की 75 वर्ष बाद भी प्रासंगिकता को महत्वपूर्ण बताया। विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। भूगोल विभाग की डॉ. प्रीति रानी ने मंच संचालन किया।कार्यक्रम में भाषण, निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता के विजेताओं को मोमेंटो और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मौके पर विभिन्न विभागों के शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

क्या संसद का शीतकालीन सत्र कोई नया मानक स्थापित कर पाएगा या फिर वही घिसी-पिटी सियासत दोहरायी जाएगी?

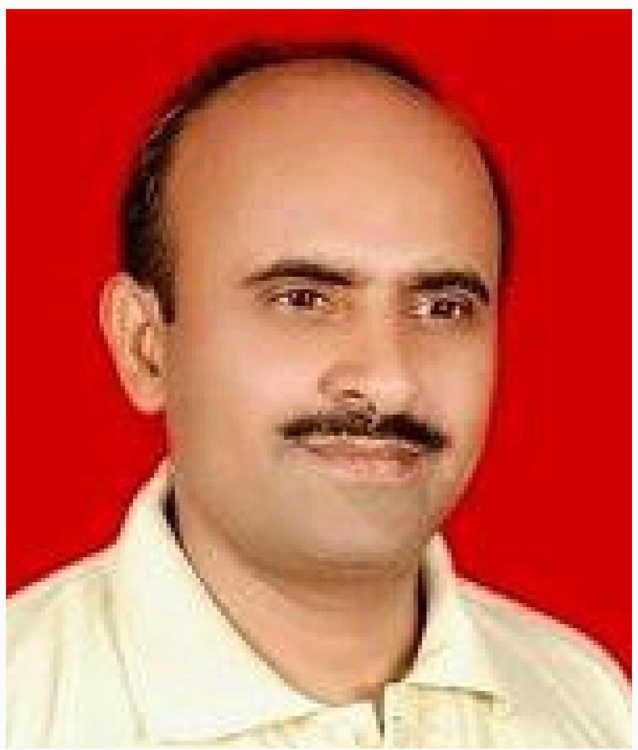

कमलेश पांडेय

कभी लोकतंत्र की जनभावनाओं को स्पष्ट करते हुए फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर ने कहा था कि "मैं आपके विचार से सहमत नहीं हो सकता लेकिन उसे कहने के आपके अधिकार की रक्षा आखिरी दम तक करूंगा।" लेकिन यह विशुद्ध रूप से संस्कारवान नीति की बात है। आज जबकि लोकतांत्रिक सियासत का विकृत चेहरा घटना दर घटना सामने आ चुका है और चाहे उच्च सदन हो या निम्न सदन, दोनों की विभिन्न कुसंस्कारी घटनाएं कुछ गलत नजीर/नजरिया प्रदान कर चुकी हैं तो इनकी निरन्तरता को लेकर अब प्रशासनिक और न्यायिक सख्ती की जरूरत आन पड़ी है क्योंकि अब राजनीतिक आचार संहिता भी पक्षपात पूर्ण प्रतीत होने लगी हैं। ऐसे में फ्रांसीसी दार्शनिक वॉल्टेयर के विचारों से पूर्णतया सहमत नहीं हुआ जा सकता है।

चूंकि भारतीय संसद का शीतकालीन सत्र आगामी 1 दिसंबर 2025 से शुरू होगा। इसलिए सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपनी नकारात्मक अतीत से सबक लेकर सकारात्मक दृष्टांत प्रस्तुत करना चाहिए। इसे जनहित के विषय पर स्वस्थ बहस का मंच बने रहने देना चाहिए। राजनेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि उनकी सियासत तो होती रहेगी लेकिन इस क्रम में जो अनैतिक परंपराएं विधायिका के ऊपर हावी होती चली जा रही हैं, उसे रोकने की प्राथमिक जिम्मेदारी हमारे माननीय सांसद बंधुओं पर ही है क्योंकि लोकसभा व राज्यसभा की ही नकल अब विधानसभा व विधानपरिषद में ही होने लगी है। खासकर जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र आदि के नाम पर बयानबाजी व गुटबाजी तथा झड़प को रोकने की जरूरत है।

यही वजह है कि सदन के कामकाज को सुचारू ढंग से चलाने के लिए राज्यसभा बुलेटिन जारी किया गया है जिसमें सदस्यों के लिए 'करने' और 'न करने' वाली बातों का जिक्र किया गया है। इसी बुलेटिन के मुताबिक, सभापति के निर्णय की सदन के अंदर या बाहर प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से आलोचना नही की जानी चाहिए। यही स्वस्थ संसदीय परंपरा समझी जाती है। बुलेटिन में यह भी कहा गया है कि सभापति सदन के पूर्व उदाहरणों के अनुसार निर्णय देते हैं और जहां कोई पूर्व उदाहरण नहीं होता, वहां सामान्य संसदीय परंपरा का पालन किया जाता है।

जाहिर तौर पर इस दिशानिर्देश का मकसद राज्यसभा की कार्यवाही को अतीत की अपेक्षा और बेहतर बनाना है लेकिन इसमें आलोचना की भी जगह होनी चाहिए। आलोचना की जगह समालोचना हो तो और अच्छी बात होगी लेकिन सियासी कुलोचना कतई नहीं होनी चाहिए और न ही इसे बर्दास्त किया जाना चाहिए। इस प्रकार से देखा जाए तो राज्यसभा का बुलेटिन सदन की बेहतरी में ही मदद करेगा। चूंकि यह उच्च सदन है, इसलिए इसकी जिम्मेदारी भी ज्यादा बनती है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि आलोचना और वाद-विवाद संसदीय परंपरा का ही हिस्सा हैं। जब तक कि आलोचना पूर्वाग्रह से ग्रसित या व्यक्तिगत न हो, तब तक उसका पुरजोर स्वागत किया जाना चाहिए। कुछ यही पवित्र भाव देश की दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को लेकर भी है, मसलन- अदालत के फैसले को चुनौती दी जा सकती है। उसके फैसलों से असहमति जताई जा सकती है और उनके खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की जा सकती है। इस प्रकार आलोचना और असहमति की आजादी के बिना यह सबकुछ संभव ही न होता।

लेकिन सदन में विपक्ष से तनाव न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। वैसे भी चुनावी राजनीतिक व्यवस्था में विपक्ष से हर बात पर सहमति की उम्मीद करना बेमानी ही है। फिर अभी देश का जैसा सियासी माहौल है, उसमें सदन के भीतर और बाहर टकराव आम बात है। वाकई पिछले कई उदाहरण है, जहां विपक्ष और आसन (चेयर) के बीच तनाव भरे रिश्ते देखने को मिले थे। सच कहूं तो पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के कार्यकाल में यह तनाव बिल्कुल चरम पर था और इसी गफलत की भेंट भी वह चढ़ गए या चढ़ा दिए गए। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश की एक टिप्पणी को लेकर राज्यसभा की प्रिविलेज कमिटी में मामला चल रहा है, जो उसी तनाव का नतीजा है। लिहाजा, इस तरह की प्रवृत्ति से नए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को सचेत रहना चाहिए।

जहां तक लोकतांत्रिक मर्यादा के ख्याल का सवाल है तो यह कहना उचित होगा कि लोकतंत्र में कोई भी आलोचना के परे नहीं कहा जा सकता लेकिन यह तो बिल्कुल बेहतरी का जरिया है। बहरहाल, राज्यसभा बुलेटिन से ऐसा भी लग सकता है कि सांसदों की अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाया जा रहा है, जिसका संदेश अच्छा नहीं जाएगा। हां, इस बात का ख्याल सभी को रखना चाहिए कि अभिव्यक्ति या आलोचना का अधिकार भी कुछ सीमाओं के साथ लागू होता है। इसलिए इन्हें पहचानने और मानने की दरकार है, ताकि स्वस्थ आलोचनात्मक परंपरा फलती फूलती रहे।यही वजह है कि संसदीय सत्र की शीतकालीन बैठक बेहद चुनौती पूर्ण रह सकती है। खासकर राज्यसभा व लोकसभा दोनों में, क्योंकि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मात खाया विपक्ष अब एसआईआर को लेकर आक्रामक होगा।इससे विपक्षी एकता को भी बल मिलेगा, जो निज सियासी स्वार्थवश नारंगी की तरह भीतर से विभाजित, पर ऊपर से एक होने का नया स्वांग रचेगा। इस प्रकार शीतकालीन सत्र सरकार और विपक्ष के संबंधों की नई आजमाइश साबित होने वाली है। चूंकि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के लिए यह पहला सत्र है, इसलिए उन्हें चौकन्ना रहना होगा। वैसे भी बीते मॉनसून सत्र का अनुभव अच्छा नहीं था। तब राज्यसभा की प्रॉडक्टिविटी केवल 38.88% थी और केवल 41.15 घंटे काम हो पाया था। इस बार भी SIR का मुद्दा गरम है। लिहाजा राधाकृष्णन के सामने संतुलन बनाने की ऐचुनौती होगी। प्रतीत होता है कि लोकसभा का भी हाल कुछ ऐसा ही रहेगा क्योंकि लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष कब क्या कर बैठेंगे, कुछ कहा नहीं जा सकता है। वही लोकसभा के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके शहंशाह गृहमंत्री अमित शाह कब कौन सी रणनीति लेकर विपक्ष पर टूट पड़ेंगे, पूर्वानुमान लगाना कठिन है। वैसे भी लालकिला दिल्ली आतंकी बम ब्लास्ट की घटना से सरकार के तेवर आतंक परस्त विपक्ष को लेकर आक्रामक है। इंडिया गेट अर्बन नक्सली कांड से सरकार गम्भीर हो चुकी है। एसआईआर पर कांग्रेस और ममता के तेवर से सरकार चौकन्नी हो चुकी है। इसलिए विपक्ष को भी राष्ट्रवादी संवेदनशीलता दिखानी होगी, अन्यथा सियासी महाभारत तय है। जब युद्ध या प्रेम होगा तो स्वाभाविक रूप से सबकुछ जायज ठहराने की नापाक कोशिश होगी ही। अबतक भी तो यही सब कुछ हुआ है

संविधान दिवस पर विद्यालय में शपथ, नशा मुक्ति और प्रतियोगिता कार्यक्रम

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बुधवार को संविधान दिवस के अवसर पर आर.जी.एल. उच्च विद्यालय, छबीलापुर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत चेतना सत्र से हुई, जिसमें शिक्षक अजय कुमार ने संविधान दिवस की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज—सभी के लिए विनाशकारी है। इस दौरान बच्चों ने शपथ ली कि वे स्वयं किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे और दूसरों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे।

स्काउट गाइड प्रशिक्षक अशोक कुमार ने नारे लगाते हुए जागरूकता को और प्रभावी बनाया। उन्होंने कहा, "जो हुआ नशे का शिकार, उजड़ा उसका घर-परिवार।" कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाध्यापक संजीतकुमार ने की। उन्होंने बच्चों को संविधान के मूल तत्वों को अपने व्यवहार और जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। वरिष्ठ शिक्षक कुंज बिहारी कुंजेश ने भी छात्रों और अभिभावकों से नशे से दूर रहने की अपील की।नोडल शिक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में नशा मुक्ति पर निबंध प्रतियोगिता और संविधान दिवस पर क्विज आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में अर्चना कुमारी प्रथम, सुगनी कुमारी द्वितीय और धीरज कुमार तृतीय स्थान पर रहे। वहीं क्विज प्रतियोगिता में सुरुचि कुमारी प्रथम, मानसी कुमारी द्वितीय और अंशु कुमारी तृतीय रही। प्रतियोगिताओं में कई छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।निर्णायक मंडल में राणा अजय कुमार, सुजीत कुमार, राकेश कुमार, रौशन कुमार सिंह, लिपिक धीरज कुमार, शिशुपाल पांडे और सुशील सिंह शामिल रहे। सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

विद्यार्थियों में बढ़ता करियर भ्रम - दिशा और दृष्टि की चुनौती

डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों के सामने कॅरियर विकल्पों की दुनिया जितनी विस्तृत हुई है, उतनी ही उलझनें भी बढ़ गई हैं। पहले जहां रोजगार के मार्ग सीमित थे। सरकारी नौकरी, कृषि, सीमित निजी क्षेत्र वहीं अब सूचना-प्रौद्योगिकी, डिजिटल माध्यम, स्टार्ट-अप, विदेशी अवसर, स्किल-बेस्ड करियर और फ्रीलांसिंग के नए विकल्पों ने युवाओं की सोच को व्यापक बना दिया है लेकिन इसी विस्तृतता ने एक नई समस्या को भी जन्म दिया है-कॅरियर भ्रम। यह भ्रम न केवल विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को प्रभावित कर रहा है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और आत्मविश्वास पर भी गहरा असर डाल रहा है।

पिछले करीब एक दशक में हर क्षेत्र में करियर अवसरों का विस्तार हुआ है लेकिन मार्गदर्शन की कमी उतनी ही बनी हुई है। विद्यार्थी इंटरनेट, सोशल मीडिया और आसपास की तुलना के प्रभाव में कई बार ऐसा लक्ष्य चुन लेते हैं जिसके बारे में उन्हें न ज्ञान होता है, न वास्तविक रुचि। कई छात्रों का ध्यान कॅरियर की वास्तविकताओं की बजाय उसकी चमक पर होता है। ऊंची तनख्वाह, विदेश यात्रा, सोशल मीडिया पर दिखने वाली ग्लैमरस जीवनशैली इत्यादि। यही वजह है कि वे एक रास्ता चुनकर जल्दी ऊब जाते हैं और बार-बार लक्ष्य बदलते हैं।

बहुत से परिवारों में कॅरियर का अर्थ अभी भी सरकारी नौकरी या पारंपरिक पेशा ही माना जाता है। विद्यार्थी की रूचि, कौशल और व्यक्तित्व को नजर अंदाज करते हुए समाज उसे उसी सीमित दायरे में सोचने को मजबूर कर देता है। माता-पिता की अपेक्षाओं का दबाव कई बच्चों को अपनी वास्तविक दिशा से भटका देता है। यही कारण है कि इंजीनियरिंग, मेडिकल या प्रशासनिक सेवाओं में भीड़ बढ़ती जा रही है, जबकि अनेक प्रतिभाएं कला, खेल, डिजिटल मीडिया, उद्यमिता या वैज्ञानिक अनुसंधान में बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं।

देश में कैरियर काउंसलिंग की संरचना अभी भी मजबूत नहीं है। विद्यालयों में नियमित काउंसलर उपलब्ध नहीं, कॉलेजों में कॅरियर सम्मेलनों की कमी, और विशेषज्ञों तक सामान्य विद्यार्थियों की पहुंच कठिन है। इस स्थिति में वे अपने भविष्य का निर्णय अनुमानों, सलाहों और तुलना के आधार पर करते हैं। परिणामस्वरूप पढ़ाई में ध्यान की कमी, लक्ष्य को लेकर भ्रम, तनाव, चिंता और आत्मविश्वास में गिरावट, गलत विषय या कोर्स चुनने से भविष्य में पछतावा, ये सभी समस्याएं आज लगभग हर परिवार में देखी जा सकती हैं।

वर्तमान दौर में कॅरियर को लेकर युवाओ की सोच बदल रही है। सकारात्मक पहलू यह है कि आज नई पीढ़ी में कॅरियर को लेकर साहसिक और नवाचारी सोच विकसित हो रही है। स्टार्ट-अप संस्कृति, डिजिटल इकॉनमी, फ्रीलांसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ई-कॉमर्स और डिजाइन जैसे क्षेत्रों ने युवाओं को पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकलना सिखाया है लेकिन इस बदलाव का लाभ तभी मिलता है जब विद्यार्थी रुचि, क्षमता और अवस के संतुलन को समझें।

ऐसी स्थिति में विद्यार्थी और अभिभावक क्या करें ? यह प्रश्न स्वाभाविक है। इसके लिए कुछ सुझाव इस प्रकार है। सबसे पहले रुचि की पहचान करें। हर छात्र को अपनी पसंद, मजबूत पक्ष और कौशल पहचानने के लिए नियमित समय देना चाहिए। कॅरियर की वास्तविक जानकारी जुटाएं। केवल सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा न करें बल्कि कोर्स, कॉलेज, जॉब-प्रोफाइल और भविष्य के अवसरों की सही जानकारी प्राप्त करें। समय-समय पर विशेषज्ञों, कैरियर काउंसलर, विषय विशेषज्ञ, सफल युवा उद्यमी, वरिष्ठ शिक्षकों से मार्गदर्शन अवश्य प्राप्त करना चाहिए। अभिभावक किसी भी प्रकार का दबाव न बनाएं। बच्चों की रुचि और स्वभाव को समझकर उन्हें सही निर्णय लेने में सहयोग दें। इसके अलावा कौशल विकास को प्राथमिकता जरूर दे। आज डिग्री से अधिक स्किल मायने रखती है। डिजिटल, तकनीकी, भाषा और संप्रेषण कौशल हर क्षेत्र के लिए अनिवार्य हैं।

कॅरियर भ्रम आज की शिक्षा व्यवस्था और समाज के सामने एक गहरी चुनौती बन चुका है। अवसरों की अधिकता तभी लाभकारी है जब विद्यार्थी अपने भीतर की प्रतिभा पहचानें, सही मार्गदर्शन मिले और अभिभावक उनका उत्साह बढ़ाएं। यह समय है कि हम युवाओं पर अपेक्षाओं का बोझ कम करके उन्हें आत्म-विश्लेषण, कौशल-विकास और सार्थक कॅरियर मार्ग चुनने की स्वतंत्रता दें। सही दिशा ही विद्यार्थियों को भविष्य में सफलता, संतुलन और संतुष्टि प्रदान करने में सक्षम हो सकती है।

डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल
वरिष्ठ साहित्यकार एवं स्तम्भकार

सर्दियों में सेहत की सुरक्षा

उमेश कुमार साहू

सर्दियों की ठंडक मन को सुकून देती है लेकिन यह मौसम शरीर से गर्माहट भी छीन लेता है। वायरल इंफेक्शन, खांसी-जुकाम, स्किन ड्राइनेस और मौसमजनित आलस। ये सभी हमारी सेहत को चुनौती देते हैं। ऐसे समय में जरूरी है कि हम अपनी दिनचर्या को 'विंटर रेडी' बना लें ताकि पूरा मौसम आसानी और ऊर्जा के साथ बीते।

थाली में रंग भरें : इम्युनिटी को मजबूत बनाएँ
सर्दियों में इम्युनिटी कमजोर होती है, इसलिए भोजन में विविधता बेहद जरूरी है। संतरा, नींबू, कीवी, अमरूद जैसे फल विटामिन C से भरपूर होते हैं। पालक, मेथी और सरसों जैसी पत्तेदार सब्जियाँ एंटीऑक्सिडेंट्स प्रदान करती हैं। बादाम, पिस्ता, अखरोट और किशमिश शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ ठंड से बचाव में भी मदद करते हैं। जितने रंग आपकी थाली में होंगे, उतनी ही मजबूत होगी आपकी प्रतिरोधक क्षमता।

फैशन और सुरक्षा : दोनों का संतुलन बनाएँ
सर्दियों में स्टाइलिश कपड़े पहनना आम बात है, लेकिन सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। सिर, कान, गर्दन और पैरों को ढककर रखना विशेष रूप से जरूरी है, क्योंकि ठंड सबसे जल्दी इन्हीं हिस्सों पर असर करती है। शाम और रात में तापमान तेजी से गिरता है, इसलिए गर्म कपड़ों से समझौता न करें। गीले बालों के साथ बाहर निकलना सर्दी-जुकाम और सिरदर्द की समस्या को बढ़ा सकता है।

हाइड्रेशन पर ध्यान दें : सर्दियों में भी पानी उतना ही आवश्यक
ठंड में प्यास कम लगती है, लेकिन शरीर को पानी की जरूरत पहले जितनी ही रहती है। दिनभर में 7–8 गिलास गुनगुना पानी शरीर को गर्म रखता है और पाचन क्रिया को सुचारू बनाता है। अक्सर डिहाइड्रेशन को लोग सुस्ती, सिरदर्द या स्किन ड्राइनेस समझ बैठते हैं।

स्किन की नमी बचाएँ : ग्लो बनाए रखें
सर्दियों में हवा शुष्क हो जाती है, जिससे त्वचा रूखी पड़ने लगती है। नहाने के तुरंत बाद मॉइस्चराइजर लगाने से नमी बरकरार रहती है। बहुत अधिक गर्म पानी से स्नान करने से त्वचा की नैचुरल ऑइल कम हो जाती है, इसलिए हल्के गर्म पानी का प्रयोग बेहतर है। लिप बाम और हैंड क्रीम नियमित रूप से इस्तेमाल करते रहें ताकि होंठ और हाथ फटने से बचें।

नींद पूरी करें : सर्दियों का सबसे जरूरी नियम
ठंड में नींद गहरी आती है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि नींद का पैटर्न बिगाड़ दिया जाए। हर रात 7–8 घंटे की नींद शरीर के लिए अनिवार्य है। सोने से आधा घंटा पहले मोबाइल और स्क्रीन से दूरी बनाएं, और रात का भोजन हल्का रखें ताकि नींद बेहतर हो।

वर्कआउट न छोड़ें : आलस पर विजय पाएं
सर्दियों में अक्सर लोग वर्कआउट टाल देते हैं, लेकिन यह शरीर को कमजोर कर देता है। सुबह ठंड लगे तो दोपहर की हल्की धूप में वॉक करें। घर पर योग, स्ट्रेचिंग और हल्का-फुल्का व्यायाम भी बेहतरीन विकल्प हैं। सिर्फ 20–25 मिनट की गतिविधि भी शरीर की गर्माहट को बनाए रखती है।

गर्म पेय : सर्दी का सबसे सरल उपाय
अदरक वाली चाय, सूप, हर्बल टी या तुलसी का काढ़ा, ये सभी शरीर को प्राकृतिक गर्माहट देते हैं। दिन में एक-दो बार इनका सेवन गले को आराम देता है और संक्रमण से बचाता है। ध्यान रखें कि चाय और कॉफी का अधिक सेवन डिहाइड्रेशन बढ़ा सकता है।

सूरज की धूप : शरीर और मन दोनों को ऊर्जा देती है
सर्दियों में धूप कम निकलती है, इसलिए जब भी मिले, उसका पूरा फायदा उठाएं। प्रतिदिन 15–20 मिनट धूप में बैठना विटामिन D का सर्वोत्तम स्रोत है। यह हड्डियों को मजबूत करता है और मूड को बेहतर बनाकर सर्दियों की उदासी को दूर करता है।

सर्दियाँ अपनी खूबसूरती और शांति के साथ आती हैं, लेकिन स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। पोषक आहार, गर्म कपड़े, पर्याप्त पानी, नियमित वर्कआउट और भरपूर नींद, ये सभी मिलकर सर्दियों को खुशहाल और स्वस्थ बनाते हैं। इस मौसम में खुद और अपने परिवार को थोड़ी अतिरिक्त देखभाल जरूर दें ताकि सर्दी सिर्फ मौसम बने, तकलीफ नहीं।

उमेश कुमार साहू

अपना शहर अपना खबर
अपना नालन्दा
नालंदा का नंबर 1 अखबार
अपने क्षेत्र की खबर भेजने और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

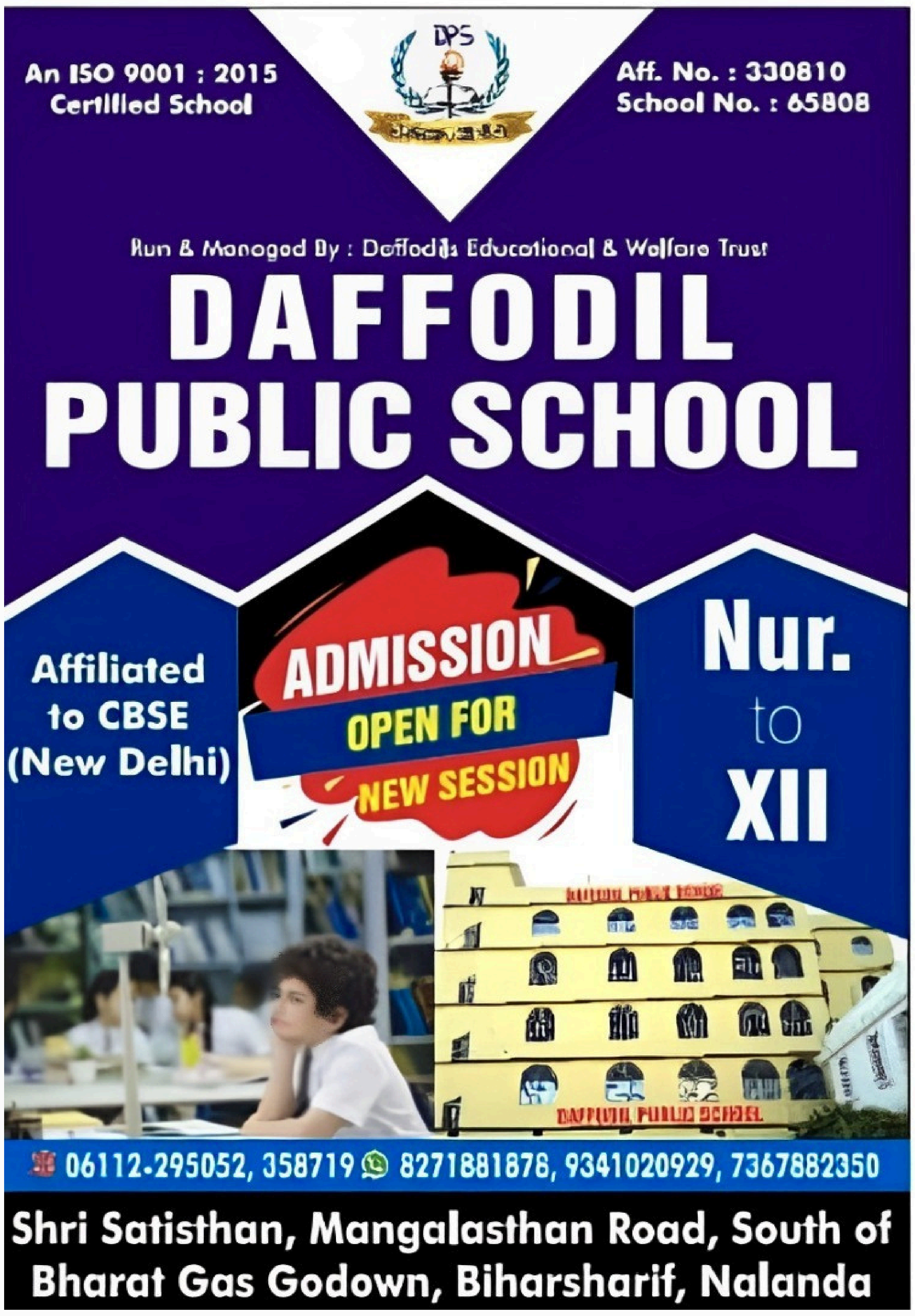

संविधान दिवस पर किसान कॉलेज में जागरूकता, चर्चा और शपथ कार्यक्रम आयोजित

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को किसान कॉलेज, सोहसराय में IQAC और एनएसएस के संयुक्त तत्वावधान में विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य भारतीय संविधान की महत्ता, उसकी विशिष्टताओं और नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रो. (डॉ.) दिवांशु कुमार के संबोधन से हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान केवल लिखित दस्तावेज नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा है, जो सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. रविन्द्र नाथ सिंह ने बताया कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था और यह विश्व के अनेकसंविधानों का उत्कृष्ट सार है।वनस्पति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर रंजन ने मौलिक अधिकारों, मूल कर्तव्यों और नीति निदेशक तत्वों पर विस्तृत जानकारी दी। राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. आनंद समदर्शी और डॉ. अनुज कुमार ने छात्रों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा का समाधान किया।इस अवसर पर कॉलेज के विभिन्न विभागों के शिक्षक—डॉ. सत्येंद्र कुमार सिन्हा, डॉ. अवधेश कुमार द्विवेदी, डॉ. विजय कुमार यादवेन्दु, डॉ. बेबी कुमारी, डॉ. प्रियंका कुमारी, डॉ. कुशलदेव प्रसाद, डॉ. बलजीत बिहारी सहित कई अन्य शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में शिक्षक और छात्रों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और संवैधानिक मूल्यों एवं कर्तव्यों के पालन का संकल्प लिया।

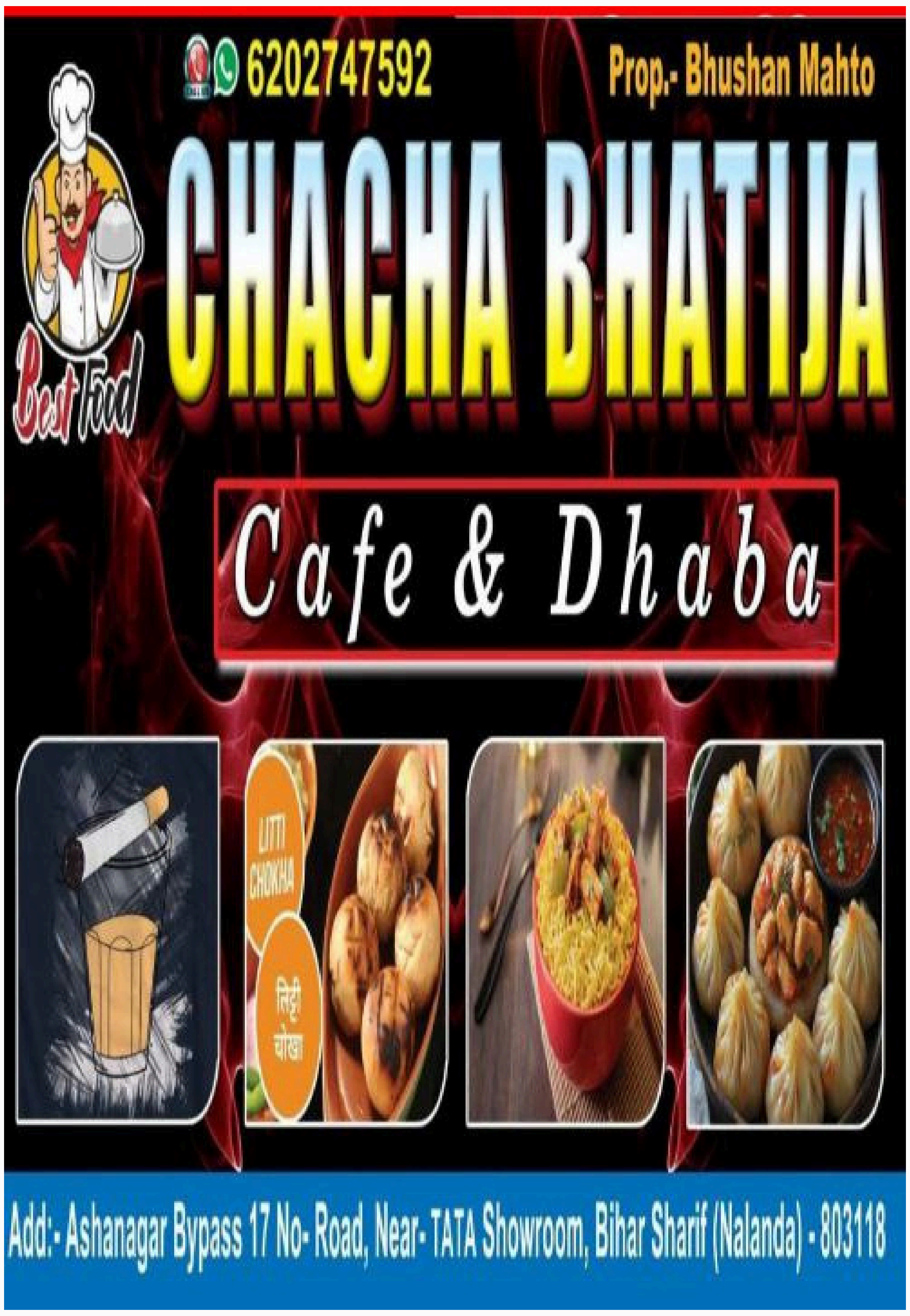

संविधान दिवस पर देवी सराय मोड़ पर बाबा साहब को नमन

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को नालंदा जिला मुख्यालय स्थित देवी सराय मोड़ पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संविधान की प्रस्तावना के सामूहिक वाचन के साथ हुई। उपस्थित लोगों ने संविधान में निहित मूल्यों—समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व—का अनुसरण करने का संकल्प लिया।वक्ताओं ने कहा कि भारतीय संविधान मात्र एक लिखित दस्तावेज नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सम्मान और अधिकारों की नींव है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संघर्ष आज भी सामाजिक न्याय, समान अवसर और मानव गरिमा के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इसलिए संविधान और लोकतंत्र की रक्षा हर नागरिक का कर्तव्य है।इस मौके पर भीम आर्मी और आज़ाद समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने संविधान की मर्यादा बनाए रखने और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि देश में जब तक असमानता और अन्याय मौजूद है, तब तक बाबा साहब का मिशन जारी रखने की आवश्यकता है। वक्ताओं ने दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक एकजुटता पर जोर दिया।कार्यक्रम में अस्थावां विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार हिमांशु मुखिया, नालंदा जिला भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष रंजीत कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने कहा कि संविधान राष्ट्र की आत्मा है और उसकी रक्षा ही सच्ची राष्ट्र सेवा है। कार्यक्रम का समापन “जय भीम” और “संविधान जिंदाबाद” के नारों के बीच किया गया।

एमएलसी स्नातक चुनाव को लेकर वोटर पंजीकरण पर दिलीप कुमार की अपील

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। आगामी 2026 में होने वाले स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर बुधवार को स्नातक अधिकार मंच के संयोजक दिलीप कुमार ने प्रेस बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि स्नातक वोटर बनने की निर्धारित अंतिम तिथि 6 नवंबर 2025 थी। इस अवधि में प्राप्त आवेदनों के आधार पर मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन 25 नवंबर 2025 को सभी जिलों के उपनिर्वाचन पदाधिकारियों के कार्यालयों में कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रकाशित सूची में नाम की जांच के लिए 10 दिसंबर 2025 तक दावा-आपत्ति दर्ज कराने की सुविधा उपलब्ध है। जिन आवेदकों का नाम सूची में नहीं है या किसी प्रकार की त्रुटि है, वे फार्म-7 और फार्म-8 भरकर अपने-अपने प्रखंड कार्यालय या जिला उपनिर्वाचन पदाधिकारी के समक्ष दावा-आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।दिलीप कुमार ने यह भी स्पष्ट किया कि 25 नवंबर से 10 दिसंबर के बीच वे लोग, जो किसी कारणवश वोटर बनने से वंचित रह गए थे, वे फार्म-18 भरकर अपने प्रखंड, जिला या कमिश्नरी कार्यालय में आवेदन जमा कर नए मतदाता के रूप में पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने 2022 तक स्नातक पास उम्मीदवारों, समकक्ष डिग्रीधारकों और नौकरीपेशा स्नातकों से अपील की कि अपने अधिकारों की रक्षा और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए इस बार स्नातक मतदाता अवश्य बनें। उन्होंने कहा कि 2020 के स्नातक चुनाव के दौरान भी मंच ने बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया था। इसी क्रम में इस वर्ष भी पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के तीनों जिलों में मंच के कार्यकर्ता 10 दिसंबर तक मतदाता जागरूकता अभियान चला रहे हैं।

मगही भाषा को सम्मान दिलाने पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी आश्वस्त

सुजीत कुमार

पटना (अपना नालंदा)। मगही मगध नागरिक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस कुमार सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री एवं हम पार्टी के सुप्रीमो जीतन राम मांझी से उनके पटना आवास पर शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात का उद्देश्य विधानसभा चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर बधाई देना और मगही भाषा व मगध की सांस्कृतिक पहचान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करना था। प्रतिनिधि मंडल में डॉ. भागवत प्रसाद और मनोज कुमार (मुखिया) भी शामिल थे।इस दौरान केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मगही भाषा को सम्मान और अधिकार दिलाने की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने मगही अंदाज में कहा, "मगही हमनी के पहचान आ मगध के स्वाभिमान हई, ऐकरा सम्मान जरूर मिलल चाही। जे कुछ करना पड़तई, हम पीछे ना हटब। पारस बाबू, तोहनी के संघर्ष बेकार ना जाई।" राष्ट्रीय अध्यक्ष पारस कुमार सिंह ने कहा कि मांझी जी का मगही प्रेम सर्वविदित है और मगही आंदोलन को उनका राजनीतिक संरक्षण हमेशा मिलता रहा है। उन्होंने मांग रखी कि नवनिर्वाचित विधायकों को विधानसभा में मगही भाषा के मुद्दे को मजबूती से उठाना चाहिए और राज्य सरकार से अनुरोध करना चाहिए कि मगही को मान्यता देने संबंधी प्रस्ताव दोबारा पारित कर केंद्र सरकार को भेजा जाए।

इसके साथ ही प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि संसद में मगध क्षेत्र के सांसदों को मगही को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने हेतु आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया जाए तथा इस संबंध में प्रधानमंत्री को अनुशंसा पत्र भेजा जाए।केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि मगही भाषा के सम्मान और संवैधानिक मान्यता के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

हसनपुर राजगीर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में संविधान दिवस पर शपथ समारोह

राजगीर (अपना नालंदा)। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, हसनपुर राजगीर में शपथ समारोह और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में शिक्षक, छात्र-छात्राएं और सहायक कर्मी उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों और शिक्षकों को भारतीय संविधान की महत्ता, उसके मूल सिद्धांतों और नागरिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय प्राचार्य श्री अनंत कुमार सिन्हा के संबोधन से हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान दुनिया के सबसे व्यापक और मजबूत संविधानों में शामिल है, जो नागरिकों को अधिकार तो देता ही है, साथ ही दायित्वों के निर्वहन की भी प्रेरणा देता है। उन्होंने सभी छात्रों से संविधान में निहित नियमों का अक्षरशः पालन करने और देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखने का संकल्प लेने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है और विविधता में एकता इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।आचार्य कृष्ण कुमार सिन्हा और राजीव रंजन सिन्हा ने संयुक्त रूप से संबोधित करते हुए कहा कि संविधान का पालन करना हर नागरिक का परम कर्तव्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि मौलिक अधिकार तभी सार्थक हैं जब हम अपने कर्तव्यों का ज़िम्मेदारी से निर्वहन करें।कार्यक्रम के दौरान श्री शंभु कुमार सिंह ने सभी छात्रों को संविधान की शपथ दिलाई। छात्रों ने देश के प्रति निष्ठा, संविधान के सम्मान और नियमों के पालन का संकल्प लिया।इस अवसर पर विद्यालय के सभी आचार्यगण और दीदीजी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

संविधान दिवस पर हिलसा में माले का प्रतिवाद मार्च और सभा

हिलसा (अपना नालंदा)। संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को भाकपा (माले) की ओर से हिलसा में प्रतिवाद मार्च निकाला गया। मार्च की शुरुआत पार्टी कार्यालय काजी बाज़ार से हुई, जो काली स्थान, वरूण सिनेमा मोड़ होते हुए जोगीपुर मोड़ तक पहुंचा। मार्ग भर बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी से सड़कें लाल झंडों से पट गईं। मार्च के जोगीपुर मोड़ पहुंचने पर इसे सभा में परिवर्तित किया गया। मार्च का नेतृत्व हिलसा सचिव दिनेश कुमार यादव, परबलपुर प्रभारी प्रमोद यादव और करायपरसुराय के सचिव रविंद्र पासवान ने संयुक्त रूप से किया। प्रतिभागियों ने "संविधान और लोकतंत्र पर हमला बंद करो", "किसानों से जबरन भूमि अधिग्रहण रोको", "श्रम संहिताएं वापस लो", "बुलडोजर राज नहीं चलेगा" और "गरीबों को उजाड़ना बंद करो" जैसे नारे लगाए। कार्यक्रम में संविधानिक अधिकारों में कटौती के खिलाफ तीखा आक्रोश देखने को मिला।सभा की अध्यक्षता खेत ग्रामीण मजदूर सभा के प्रखंड अध्यक्ष शिव शंकर प्रसाद ने की। संबोधित करते हुए दिनेश कुमार यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में संविधान कमजोर किया जा रहा है और श्रम कानून संशोधनों ने मजदूरों को कॉरपोरेट निर्भरता की ओर धकेला है। उन्होंने कहा कि किसानों ने तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी और 750 से अधिक किसानों ने शहादत दी, जिसके बाद केंद्र सरकार को कानून वापस लेने पड़े।उन्होंने कहा कि मजदूर, किसान, छात्र, युवा और महिलाएं एकजुट होकर जन आंदोलन को तेज करें। साथ ही आरोप लगाया कि बिहार में नई सरकार बनने के बाद दलित-गरीब परिवारों पर उत्पीड़न बढ़ा है। सभा में संजय पासवान, विजय यादव, अखिलेश प्रसाद और रमाकांत शर्मा सहित कई नेताओं ने भी संबोधन किया।

नशा मुक्ति दिवस पर नालंदा में प्रभात फेरी और जन-जागरूकता कार्यक्रम

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार बुधवार को "नशा मुक्ति दिवस" के अवसर पर नालंदा जिले में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दिन की शुरुआत जिला मुख्यालय बिहारशरीफ में प्रभात फेरी से हुई, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। प्रभात फेरी श्रम कल्याण मैदान से प्रारंभ होकर सोगरा स्कूल तक निकाली गई। इस दौरान विद्यार्थियों ने "नशा को कहें ना" और "स्वस्थ जीवन ही सच्चा जीवन" जैसे नारे लगाकर लोगों से नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार तथा जिला प्रशासन, नालंदा के संयुक्त तत्वावधान में हुआ।

प्रभात फेरी के बाद नशा मुक्ति दिवस का मुख्य राज्यस्तरीय कार्यक्रम पटना में आयोजित किया गया, जिसकी लाइव वेबकास्टिंग हरदेव भवन, बिहारशरीफ में की गई। वेबकास्टिंग में गणमान्य व्यक्तियों, जीविका दीदियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त ने जिलेवासियों को नशामुक्त रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि शराब एवं अन्य मादक पदार्थ स्वास्थ्य और समाज दोनों के लिए हानिकारक हैं, इसलिए इनसे दूरी आवश्यक है।

वक्ताओं ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशामुक्त जीवन अपनाने की अपील की। जिला मद्यनिषेध पदाधिकारी ने बताया कि नशा विरोधी अभियान जिले में लगातार जारी रहेगा। कार्यक्रम में अपर समाहर्ता, वरीय पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारी, डीपीओ आईसीडीएस, जीविका दीदियों सहित मद्यनिषेध विभाग के पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

नालंदा महिला कॉलेज में संविधान दिवस पर शपथ और संगोष्ठी आयोजित

रंजीत कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। संविधान दिवस के अवसर पर नालंदा महिला कॉलेज के सभागार में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई और उर्दू विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "संविधान की प्रस्तावना, शपथ सह संगोष्ठी" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई।कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. आशिया परवीन ने संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संविधान राष्ट्रीय एकता, न्याय, समानता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देता है। उन्होंने कहा कि संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समान अवसर प्रदान करने का मार्ग दिखाता है। इस दौरान छात्रा ऋषु कुमारी ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया, जबकि वॉलेंटियर मनीषा कुमारी ने उपस्थित प्रतिभागियों को भारतीयता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई।प्राचीन इतिहास विभाग के डॉ. बी.के. अंबेडकर ने संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों पर विस्तृत चर्चा करते हुए बताया कि वर्ष 2015 से संविधान दिवस मनाने का औपचारिक प्रावधान किया गया है। डॉ. राजेश कुमार रंजन ने भारत के विकास और लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं डॉ. प्रशांत कुमार ने मौलिक अधिकारों, संसद और न्यायपालिका से संबंधित जानकारी छात्राओं को समझाई।कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक—डॉ. नागमणि कुमार, डॉ. रामधनी पाल, पुष्पा लता कुमारी, डॉ. शबनम अंसारी, डॉ. सिंधु कुमारी, डॉ. वर्षा रानी, डॉ. अंशु कुमारी, डॉ. सुमन, डॉ. शिप्रा भारती और डॉ. बब्ली सहित अन्य शिक्षकों ने सहभागिता निभाई। एनएसएस स्वयंसेविकाओं तथा बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नशा मुक्ति दिवस पर प्रभात फेरी से नालंदा में जागरूकता अभियान शुरू

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बुधवार को नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर जिला मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के तत्वावधान में नालंदा जिले में जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य आम लोगों में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की जानकारी देना और नशे को त्यागने के लिए चेतना जगाना था। इसी क्रम में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, युवाओं और एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया।प्रभात फेरी का शुभारंभ श्रम कल्याण मैदान, बिहारशरीफ से हुआ, जो सोगरा उच्च विद्यालय तक निकाली गई। फेरी के दौरान प्रतिभागियों ने "नशा छोड़ो, जीवन संनशामुक्त विचार" जैसे नारे लगाकर लोगों कोवारो", "नशा को कहें ना" और "स्वस्थ समाज, नशे से दूर रहने का संदेश दिया। छात्र-छात्राओं ने हाथों में स्लोगन और प्लेकार्ड थामकर नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाते हुए समाज को नशामुक्त बनाने का आह्वान किया। युवाओं में फैल रही नशे की प्रवृत्ति को रोकने के उद्देश्य से प्रतिभागियों ने अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने की अपील की।कार्यक्रम में जिला मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के अधीक्षक, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (शिक्षा विभाग) सहित बड़ी संख्या में अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए नशामुक्त जीवन ही सुरक्षित और सफल भविष्य की कुंजी है।

नशा मुक्त भारत की इस मुहिम में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और नालंदा को नशामुक्त बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

नगर पंचायत कार्यालय में संविधान दिवस पर शपथ और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरनौत (अपना नालंदा)। स्थानीय नगर पंचायत कार्यालय परिसर में बुधवार को संविधान दिवस समारोह धूमधाम और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) सौरभ सुमन ने किया। इस अवसर पर अधिकारियों, कर्मचारियों तथा उपस्थित लोगों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया और संविधान के प्रति निष्ठा एवं कर्तव्य पालन की शपथ ली।

उप मुख्य पार्षद गीता देवी के प्रतिनिधि सुरेश सिंह ने बताया कि ईओ ने सभी को संविधान के मूल सिद्धांतों—समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और न्याय—को जीवन में आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने कहा कि संविधान न केवल देश का सर्वोच्च कानून है, बल्कि नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों का मार्गदर्शक भी है। इसलिए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह संविधान में निहित कर्तव्यों का पालन करे और समाज में सौहार्द एवं अनुशासन बनाए रखे।

कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ आम नागरिकों में संवैधानिक जागरूकता बढ़ाना और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना था। वक्ताओं ने कहा कि संविधान दिवस हमें यह याद दिलाता है कि 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अंगीकृत किया था, जो देश की लोकतांत्रिक पहचान का आधार बना।समारोह के दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने और संवैधानिक मूल्यों का सम्मान करने का संकल्प लिया। मौके पर स्वच्छता पदाधिकारी प्राची प्रसाद, पार्षद श्याम बालक साव, किशोर मांझी, मिथलेश कुमार, दिनेश सहित अन्य कर्मचारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

सिलाव में फर्जी शिक्षकों को वेतन भुगतान मामले में अधिकारी पर गंभीर आरोप लगे

>

अखिलेंद्र कुमार

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। सिलाव प्रखंड में 127 कथित फर्जी शिक्षकों को वेतन भुगतान का मामला एक बार फिर तूल पकड़ता जा रहा है। इस पूरे प्रकरण में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, स्थापना-सह-निकासी एवं व्यय पदाधिकारी (नालंदा) आनंद शंकर पर गंभीर वित्तीय अनियमितता और उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना के आरोप लगाए गए हैं।जानकारी के अनुसार तत्कालीन जिला शिक्षा पदाधिकारी राज कुमार ने पत्रांक 684, दिनांक 19 अप्रैल 2025 के माध्यम से जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को इन 127 शिक्षकों से जुड़े वेतन भुगतान की जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। आरोप है कि इस आदेश पर न तो आवश्यक कार्रवाई की गई और न ही कोई रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई।इसी मामले में सविता देवी, कुर्जी बुजुर्ग, पटना द्वारा 3 अक्टूबर 2025 को सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जानकारी मांगी गई। लेकिन 4 नवंबर 2025 को निर्गत पत्रांक 6211 के जवाब में कार्यालय की ओर से कहा गया कि आवेदक द्वारा फर्जी शिक्षकों के साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, इसलिए सूचना उपलब्ध नहीं की जा सकती। इस उत्तर पर संबंधित पक्षों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि जब अभिलेख कार्यालय में उपलब्ध हैं, तो साक्ष्य मांगना अनुचित है।शिकायत में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी पर आदेश की अवहेलना, पारदर्शिता के अभाव, सरकारी धन की क्षति, वित्तीय अनियमितता और नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता पक्ष ने मामले की उच्च स्तरीय जांच, फर्जी पाए जाने पर सेवामुक्ति, वेतन की वसूली और संबंधित अधिकारी पर विभागीय व कानूनी कार्रवाई की मांग की है।मामला प्रशासनिक और वित्तीय दृष्टि से गंभीर होता जा रहा है। अब शिक्षा विभाग के अगले कदम पर सबकी निगाहें टिकी हैं।

पूर्व शिक्षक नेता मोहम्मद तस्लीमुद्दीन के निधन से शिक्षा जगत में शोक

बिहारशरीफ (अपना नालंदा)। बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के भूतपूर्व महासचिव और लोकप्रिय शिक्षक नेता मोहम्मद तस्लीमुद्दीन के निधन की खबर से बुधवार को शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार उनका निधन 26 नवंबर 2025 की अहले सुबह पटना में हुआ, जहां वह पिछले कई दिनों से एक निजी अस्पताल में इलाजरत थे। उनके असामयिक निधन ने जिला सहित पूरे प्रदेश के शिक्षकों और सहयोगियों को स्तब्ध कर दिया है।मोहम्मद तस्लीमुद्दीन शिक्षा क्षेत्र में अपने संघर्षशील नेतृत्व, समर्पण और दूरदर्शी सोच के लिए जाने जाते थे। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं को मजबूती से उठाने, सेवा शर्तों में सुधार और शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। शिक्षकों के अधिकारों की लड़ाई में वे हमेशा अग्रणी रहे और अपनी सक्रिय भूमिका के कारण सभी वर्गों में सम्मानित थे। उनकी नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कौशल ने शिक्षक आंदोलन को नई दिशा प्रदान की। इसदुखद घटना पर बिहार अराजपत्रित प्रारंभिक शिक्षक संघ के नालंदा जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, शिक्षक क्लब के संयोजक दिलीप कुमार, अध्यक्ष कृष्णनंदन प्रसाद, प्रवक्ता राकेश बिहारी शर्मा, सचिव शिशिर कुमार सिन्हा, सुरेंद्र कुमार, उपेंद्र कुमार और रामसागर राम सहित कई शिक्षकों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। सभी ने कहा कि तस्लीमुद्दीन का निधन शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उनकी स्मृतियां और योगदान हमेशा याद किए जाएंगे।

सिलाव में तीन घरों में चोरी, वार्ड 09 में बढ़ी दहशत

राजेश कुमार गौतम

सिलाव (अपना नालंदा)। सिलाव नगर पंचायत के वार्ड संख्या 09 स्थित खोजागाछी मोहल्ले में बीती रात चोरों ने बेखौफ होकर तीन बंद घरों का ताला तोड़कर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। यह घटना पुलिस प्रशासन के लिए एक बार फिर चुनौती बनकर सामने आई है। जानकारी के अनुसार चक्रधारी महतो, कारू महतो और अशोक महतो के बंद पड़े घरों को निशाना बनाते हुए चोरों ने अंदर घुसकर सामान खंगाला और कई कीमती वस्तुएं चोरी कर लीं। घटना के बाद पूरे मोहल्ले में दहशत का माहौल है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले कुछ समय से सिलाव थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। कभी दुकानों में सेंधमारीकभी मोटरसाइकिल चोरी और कभी सुनसान

, घरों को निशाना बनाकर चोर आसानी से फरार हो जा रहे हैं। इससे आम लोगों में असुरक्षा की भावना गहराती जा रही है। व्यापारियों, राहगीरों और ग्रामीणों में भी भय का माहौल है।चोरी की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। हालांकि देर रात हुई इस वारदात में चोरों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में जांच तेज करने के साथ संदिग्धों पर निगरानी बढ़ा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस के प्रयासों के बावजूद चोरी की घटनाओं में कमी नहीं आ रही, जिससे लोगों का भरोसा कमजोर होता दिख रहा है।इधर, मोहल्लेवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात्रि गश्त बढ़ाने, निगरानी मजबूत करने और चोरी की घटनाओं पर तत्काल नियंत्रण की मांग की है, ताकि क्षेत्र में सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल बहाल हो सके।

www.apnanalanda.com

अपना नालन्दा

अपना शहर, अपना खबर

नालन्दा का नंबर 1 अखबार

अपना नालन्दा में विज्ञापन देकर
अपने व्यवसाय को दे नई पहचान

नालन्दा की जनता की आवाज

अपने क्षेत्र की खबर भेजने
ओर विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

9031468165
9608311251

नालंदा जिले के सभी प्रखंडों में संवाददाता सह विज्ञापन प्रतिनिधि कि आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति 9031468165 पर संपर्क करें।